विश्व मानव तस्करी विरोध दिवस

संवादपत्र

प्रस्तुतकर्ताः दि माडर्न स्लेवरी एंड लेबर एक्स्प्लॉइटेशन एडवाइज़री ग्रुप

हमारी स्थिति से हमारा नज़रिया

जुलाई 2021

एओटेरोआ न्यूज़ीलैंड में आधुनिक दासता और श्रमिक शोषण के समाधान के लिए मिलकर सहयोग करना

WORLD DAY AGAINST
TRAFFICKING
IN PERSONS
30 JULY

थीम 2021: “पीड़ितों की आवाज़ से रास्ता मिलता है”

इस वर्ष की थीम में मानव तस्करी के पीड़ितों को अभियान के केंद्र में रखा गया है और मानव तस्करी के शिकार होकर बचने वाले लोगों (सर्वाइवर्स) की बात सुनने और उनसे सीखने के महत्त्व को रेखांकित किया जाएगा।

यह अभियान सर्वाइवर्स को मानव तस्करी के विरूद्ध संघर्ष में मुख्य कार्यकर्ताओं के रूप में स्थापित करता है और इस अपराध की रोकथाम करने, पीड़ितों की पहचान करने और उन्हें छुटकारा दिलाने, और पुनर्वास की दिशा में उनका सहयोग करने के लिए लागू किए जाने वाले प्रभावी उपायों में उनके द्वारा निभाई जाने वाली महत्त्वपूर्ण भूमिका पर केंद्रित है।

मानव तस्करी के अनेक पीड़ितों ने मदद हासिल करने के अपने प्रयासों में लापरवाही या गलतफहमियों का अनुभव किया है। छुटकारे के बाद पहचान संबंधी साक्षात्कारों, और कानूनी कार्यवाहियों के दौरान, उनके दुखद अनुभव रहे हैं। कुछ लोगों को फिर से शोषण तथा उन अपराधों के लिए सजा का सामना करना पड़ा, जो उनकी तस्करी करने वालों के द्वारा उनको करने के लिए मज़बूर किया गया था। अन्य लोगों को कलंक का सामना करना पड़ा, या अपर्याप्त सहयोग मिला।

पीड़ितों के अनुभवों से सीखने, और उनके सुझावों को ठोस कार्यवाही में बदलने से, मानव तस्करी का सामना करने की दिशा में एक अधिक पीड़ित-केंद्रित और प्रभावी तरीका विकसित किया जा सकेगा।

हैशटैग

कृपया सभी डिजिटल प्लेटफार्मों पर हैशटैग #EndHumanTrafficking का प्रयोग करें।

सलाहकार समूह से संपर्क करना चाहते हैं?

हमें आपकी बात सुनकर प्रसन्नता होगी, कृपया संपर्क करें:

रेवरेंड क्रिस फ्रेजर,
एंग्लिकन डायोसीज़ ऑफ वेलिंगटन

Email: chrisf@anglicanmovement.nz
फोन: 027 442 5065

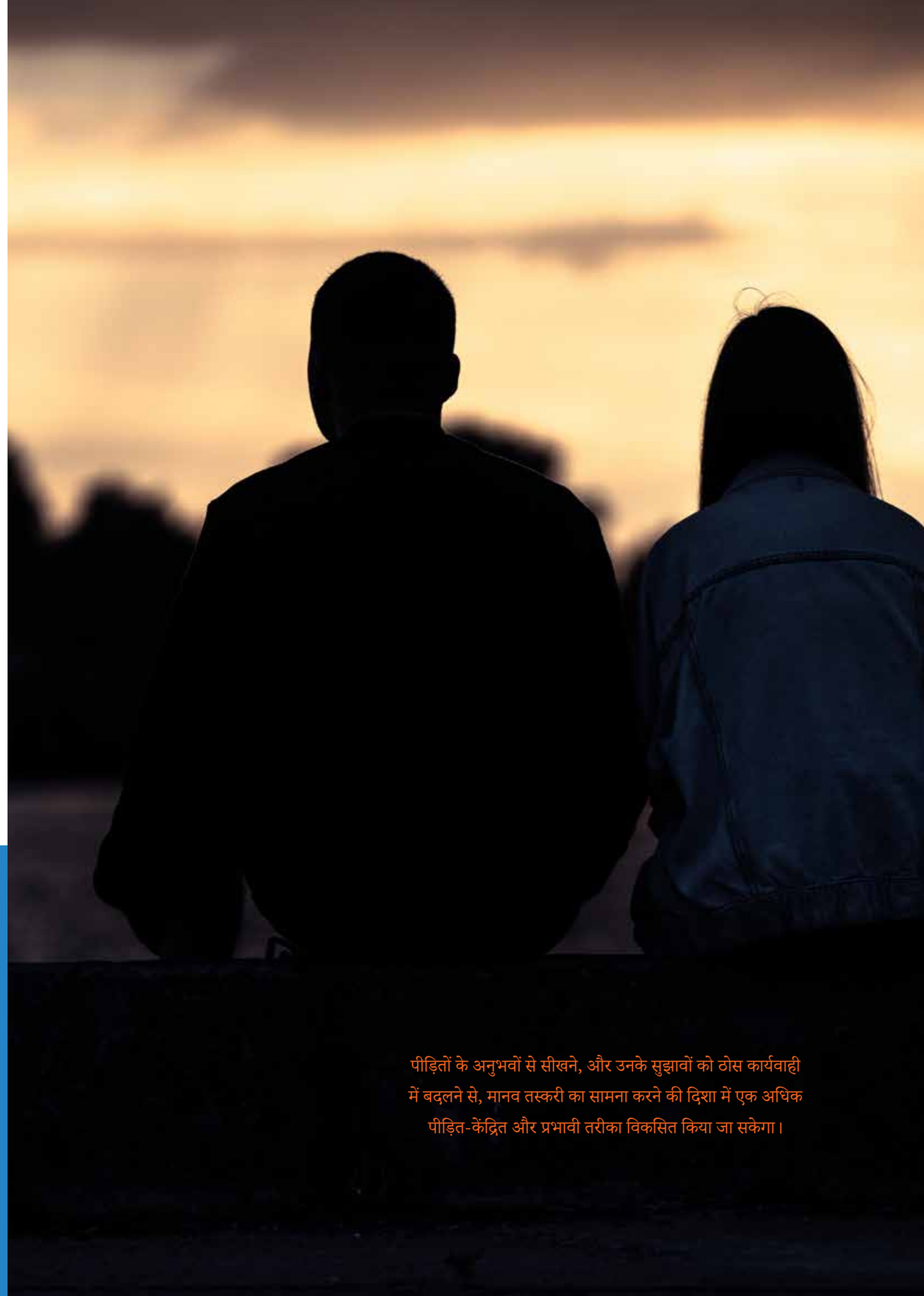

पीड़ितों के अनुभवों से सीखने, और उनके सुझावों को ठोस कार्यवाही में बदलने से, मानव तस्करी का सामना करने की दिशा में एक अधिक पीड़ित-केंद्रित और प्रभावी तरीका विकसित किया जा सकेगा।

unseen

संपादकीय

सहयोग - कहने में आसान, करने में काफी मुश्किल

एंड्र्यू वालिस, OBE, अनसीन (UNSEEN) के सी.ई.ओ

आधुनिक दासता और मानव तस्करी से प्रभावी ढंग से निबटने के हमारे तरीकों की चर्चा में एक शब्द प्रायः उपयोग किया जाता है। यह शब्द है सहयोग। यह कहने में आसान है, लेकिन जब हम सहयोग का प्रयास करते हैं तो यह काफी मुश्किल होता है और सच्चाई काफी अलग है। शब्दकोश की परिभाषा– किसी गतिविधि पर संयुक्त रूप से कार्य करना, विशेषकर कुछ बनाने या निर्मित करने के लिए -यह कुछ ऐसी बात है जिसकी आकांक्षा हम सभी लोग आधुनिक दासता की बुराई का खात्मा करने के लिए रखते हैं। निस्संदेह, हम सभी लोग एक दासता और शोषण मुक्त विश्व की आकांक्षा रखते हैं, और लगभग पंद्रह वर्ष से इस क्षेत्र में कार्यरत हैं, इसलिए अब रुकने, चिंतन करने, और अब तक सीखे गए सबकों पर विचार करने का यह उचित समय है, ताकि अगले वर्षों में हम और अधिक उपलब्धियां हासिल कर सकें।

मानव तस्करी और शोषण, प्रत्येक देश को, समाज के प्रत्येक क्षेत्र को प्रभावित करते हैं। पीड़ितों के मामले में यह सामाजिक-आर्थिक स्थिति, नस्ल, शैक्षिक स्तर और राष्ट्रीयता से पृथक है, और इसके लिए पूरे समाज की प्रतिक्रिया की आवश्यकता है। इसका अर्थ है कि कोई एक क्षेत्र, स्वयं में समाधान प्रदाता नहीं बन सकता है, और इसलिए हमें सुनने, एक-दूसरे से सीखने, तथा हमारे सामूहिक प्रदर्शन में सुधार की आकांक्षा रखने की आवश्यकता है। बड़ी चुनौतियों के लिए प्रतिबद्धता के साथ, बड़ा सहयोग ही असली कुंजी है। हमें यह समझना होगा कि यदि हम स्थायी विकास लक्ष्य 8.7 –आधुनिक दासता के उन्मूलन, की आकांक्षा हासिल करना चाहते हैं, तो हमारे पास थोड़ा ही समय – नौ वर्ष से कम, बचा है।

पंद्रह वर्षों के बाद मैं सहयोग करने की एक इच्छा, और समस्याओं का रणनीतिक तरीके से सामना करने के विचार के जन्म लेने के शुरूआती उत्साहजनक संकेत देख रहा हूं। ऐतिहासिक रूप से, सभी प्रमुख पक्षों को समान हितधारकों के रूप में साथ लाने की आकांक्षा कम ही रही है, या इसकी ज़रूरत को कम पहचाना गया है। यह केवल किसी सरकार की अकेले की लड़ाई नहीं हो सकती और तथापि सरकारों को यह अवश्य सीखना होगा कि दूसरों के साथ मिलकर प्रभावी तरीके से किस प्रकार से कार्य किया जाए। कारोबार, मीडिया, वैधानिक प्राधिकारी, कानून प्रवर्तन, पंथ समुदाय, वित्तपोषक, स्वयं अनुभव से गुज़रे लोग, तथा एन.जी.ओ आदि को प्रभावी ढंग से मिलकर, तथा सरकार के साथ मिलकर कार्य करना होगा। प्रत्येक हितधारक की एक विशिष्ट भूमिका है और एक-दुसरे से पृथक रूप में कार्य करना बंद होना चाहिए। इसके कुछ कारण ऐतिहासिक हैं, लेकिन अब दोषारोपण और अविश्वास करने का समय समाप्त हो चुका है। एक दूसरे से उचित प्रकार से और आदरपूर्वक सुनने और सीखने का वक्त अभी है। जब तक हम एकजुट नहीं हो सकते,, अपने-अपने घेरों की दीवारें नहीं तोड़ देते, और अपने संयुक्त प्रयासों पर केंद्रित नहीं होते, तब तक हम आधुनिक दासता को पराजित नहीं कर पाएंगे।

इसी प्रकार से, वृहद और सूक्ष्म स्तरों पर व्यक्तिगत और व्यवस्थागत प्रतिक्रियाएं किए जाने की आवश्यकता है। इस समय हमें रोकथाम करने तथा कानूनी कार्यवाही करने के साथ, सर्वाइवर्स को संरक्षित करने और उन्हें पूरी तरह से फिर से एकीकृत करने की दिशा में काम करना होगा। हमें अपनी आपूर्ति श्रृंखलाएं (सप्लाई चेन) और कारोबारी विधियां पारदर्शी और दासता से मुक्त रखना सुनिश्चित करने वाले व्यवसायों की ज़रूरत है, लेकिन नेतृत्व सरकारों को ही करना होगा। कैलिफोर्निया, प्रायः सामाजिक-राजनैतिक विकास के अग्रिम मोर्चे पर रहा है और यहां आपूर्ति श्रृंखला में पारदर्शिता अधिनियम पर विचार किया गया है, पारित किया गया है और लागू किया गया है, जिसे बाद में यूके, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा और अन्य में इसे प्रारूप के चरण में अपनाया गया। यूरोप में अन्य देश, अनिवार्य सम्यक तत्परता रिपोर्टिंग के साथ और भी आगे बढ़ चुके हैं।

एनजीओ (NGO) को व्यवसायों, कानून प्रवर्तन, और सरकार के साथ सहभागिता का एक अधिक बुद्धिमत्तापूर्ण मॉडल विकसित करना होगा, जो कम दिखावे वाला हो। सरकारों को राजनैतिक नेतृत्व प्रदान करना होगा किन्तु अपनी सीमाओं को भी समझना होगा और प्राथमिकता की उनकी मज़बूत दीवारों के बाहर नवप्रवर्तन और नेतृत्व के लिए उदार बनना होगा। गहन-ज्ञान और समाधान, उनके संबंधित लोक सेवकों और राजनीतिज्ञों की जानकारी से परे मौजूद हैं।

मीडिया को, एक नई सनसनीखेज केस स्टडी के लोभ से आगे बढ़ना होगा और आधुनिक दासता की वास्तविकताओं, और यह हमारे समाज का किस तरह पतन कर रही है, इस बारे में जागरूकता फैलाने के साथ दृष्टिकोण बदलने के लिए अपने प्रभाव का उपयोग करना होगा। यह स्तब्ध करने वाली सच्चाई है कि आधुनिक दासता का अस्तित्व, इसकी माँग के बिना कायम नहीं रह सकता, लेकिन समाज और व्यक्ति इस व्यापार को बढ़ावा देते हैं और इसके फलस्वरूप इंसानों को भी वस्तुएं मान लिया जाता है। हमें सस्ते श्रम, सामानों और सेवाओं की हमारी लत का समाधान करना होगा और इससे पीछा छुड़ाना होगा।

विश्वस्तर पर आधुनिक दासता का सफाया करने के लिए हमें इस पर अपनी मज़बूत पकड़ बनानी होगी। लेकिन, क्या ऐसा करने के लिए हमारे पास कल्पनाशीलता, आकांक्षा, तालमेल, और सबसे महत्त्वपूर्ण रूप से, नेतृत्व मौजूद है? डिज़ाइनर कपड़ों, मनुष्यों, मादक दवाओं, हथियारों और संकटग्रस्त प्रजातियों के बीच भूमिगत संबंध यह दिखाते हैं कि विविध प्रकार के अवैध बाज़ार एक परस्पर संबंधित जाल का निर्माण करते हैं, जो चिंताजनक दर से बढ़ रहा है। वैश्वीकरण, तथा तकनीकी प्रगति की सहायता से अंतर्राष्ट्रीय काला बाज़ार ज्यादा तेजी से फल-फूल रहा है, काफी आसानी से अधिकारियों की नज़रों में आने से बच रहा है और अभूतपूर्व ढंग से कमाई कर रहा है। इसलिए, इसे रोकने के लिए हमें परस्पर सहयोग करना ही होगा।

Child Matters

EDUCATING TO PREVENT CHILD ABUSE

कार्यवाही करने के लिए हमारा अवसर

जेन स्रल, चाइल्ड मैटर्स की सी.ई.ओ

एओटेरोआ न्यूज़ीलैंड इस समय इससे जूझ रहा है कि हम पारिवारिक हिंसा, यौन हिंसा, बच्चों से दुर्व्यवहार और संस्थागत दुर्व्यवहार के कारण पीढ़ियों को पहुँचे नुकसान का किस तरह समाधान कर रहे हैं। राज्य की देखभाल और पंथ आधारित संस्थानों की देखभाल में ऐतिहासिक दुर्व्यवहार पर शाही पूछताछ आयोग, ओरांगा तमारिकी के बारे में सार्वजनिक बहस, और ऑनलाइन अपराधों पर बढ़ते फोकस के बारे में मीडिया द्वारा प्रतिदिन रिपोर्ट की जा रही है।

मीडिया कवरेज, किसी मुद्दे पर जनता की सोच बनाने की दिशा में प्रायः एक निर्णायक वजह होती है। जैसा कि हिंसा व दुर्व्यवहार के पीड़ितों के साथ काम करने वाले संगठन इस पर ज़ोर देते हैं कि यदि किसी रिपोर्ट किए जा रहे मामले की परिस्थितियां, तनावभरी हैं, तो समस्या की जटिलता और विस्तार के कारण मुद्दे से अलग कर लेने की प्रवृत्ति हो सकती है। मानव तस्करी का मुद्दा भी इसी समस्या का सामना करता है, क्योंकि असुरक्षित लोगों का शोषण निश्चित रूप से, मानवीय प्रकृति को इसके सबसे बुरे रूप में दिखाता है। किसी अन्य के (प्रायः वित्तीय) फायदे के लिए किसी व्यक्ति के आत्म-निर्धारण और अधिकारों को छीन लेने की सोच, एक ऐसी सोच है, जिसे न्यूज़ीलैंड के अनेक निवासियों को समझने में मुश्किल होती है।

जिस तरह से पारिवारिक हिंसा, यौन हिंसा और बच्चों से दुर्व्यवहार को प्रायः गलत प्रकार से समझा जाता है, उसी तरह से मानव तस्करी के मुद्दे से भी वैसी ही गलतफहमियां जुड़ी हुई हैं। न्यूज़ीलैंड के हज़ारों निवासियों से उनके घरेलू परिवेश में दुर्व्यवहार करने के लिए प्रयुक्त शक्ति और नियंत्रण, उस शक्ति और नियंत्रण के समान ही है, जो लोगों की तस्करी किए जाते समय उपयोग किया जाता है। प्रायः अनुपालन के रूप में गलत तरीके से समझे जाने का भय, और इसे प्रेरित करने के लिए प्रयुक्त बनावटीपन, भी एक समान पहलू है, और इसके परिणाम दुखद तथा दूरगामी होते हैं।

पारिवारिक हिंसा, यौन हिंसा और बच्चों से दुर्व्यवहार का सामना करने के तरीकों पर केंद्रित बहसों में यह चर्चा भी शामिल की जानी चाहिए कि किस तरह से मानव तस्करी इन सामाजिक मुद्दों से पारस्परिक रूप में संबंधित है। सरकारी एजेंसियों और सामुदायिक संगठनों में प्रशिक्षण में उस क्षमता सृजन के अंतर्गत मानव तस्करी संबंधी प्रशिक्षण को एक भाग के रूप में शामिल किए जाने की ज़रूरत है। सामुदायिक संगठनों से किए जाने वाले सरकारी अनुबंधों में तस्करी के पीड़ितों के साथ कार्य करने की अनुमति को अनुबंध की डिलीवरी में शामिल किया जाना चाहिए, बजाए इसके कि ये संगठन यह कार्य अनौपचारिक रूप से तथा बिना वित्तपोषण के करें, जैसा कि प्रायः देखने में आता है।

इस चर्चा में हमें सावधानी रखनी होगी कि बच्चों और युवाओं पर से हमारा ध्यान हटने न पाए, क्योंकि वे भी इन अपराधों के पीड़ित हो सकते हैं। सभी सामाजिक मुद्दों की तरह, जब तक हम बच्चों और युवाओं पर जानबूझकर फोकस नहीं रखेंगे, तब तक बहस में उनकी आवाज़ सुनी नहीं जाएगी।

मानव तस्करी एक गुप्त, रहस्यपूर्ण अपराध है जो भय उत्पन्न करने और पीड़ितों की असुरक्षित स्थितियों की वजह से उनका शोषण करने पर आधारित है। एओटेरोआ की सीमाओं पर इस मुद्दे का सामना करने में सक्षम होना सुनिश्चित करने के लिए, हमें सरकारी और सामाजिक स्तर पर सोच समझकर और योजना बनाकर कार्य करने की आवश्यकता है। एओटेरोआ में पारिवारिक हिंसा, यौन हिंसा, और बच्चों से दुर्व्यवहार का सामना करने के लिए बेहतर व्यवस्थाएं बनाने के लिए इस समय किए जा रहे कार्य के साथ, हमारे पास इन चर्चाओं में मानव तस्करी के मुद्दे को भी शामिल करने, तथा इस तरह से एक अधिक घनिष्ठ और तालमेल आधारित प्रतिक्रिया तैयार करने का अवसर है जो पीड़ितों की सुरक्षा के लिए कारगर होगी।

मानव तस्करी एक गुप्त, रहस्यपूर्ण अपराध है जो भय उत्पन्न करने और पीड़ितों की असुरक्षित स्थितियों की वजह से उनका शोषण करने पर आधारित है।

पीड़ितों से सीखना

डॉ. क्रिस्टीना स्ट्रिंगर,
सेंटर फॉर रिसर्च ऑन मॉडर्न स्लेवरी
यूनिवर्सिटी ऑफ ऑकलैंड बिज़नेस स्कूल

अस्थायी प्रवासी श्रमिक, न्यू ज़ीलैंड आने के लिए काफी त्याग करते हैं। कुछ लोग पढ़ाई करने, या थोड़े समय के लिए कार्य करने आते हैं; अन्य लोग अंततः यहीं स्थायी रूप से बस जाने की उम्मीद लगाए होते हैं। अनेक लोगों ने कर्ज़ लिए होते हैं और उनको पारिवारिक जिम्मेदारियां पूरी करनी होती हैं।

दुर्भाग्य से, कुछ अस्थायी प्रवासी श्रमिकों के लिए उनका अनुभव वैसा नहीं होता जैसा उन्होंने सोचा था। न्यूज़ीलैंड में आने के बाद वे शोषण के प्रति असुरक्षित हो जाते हैं। कार्य खोजने में कठिनाई, कर्ज़ का बोझ, या नियोक्ता द्वारा प्रायोजित वीज़ा उनको असुरक्षित बना सकता है। कुछ नियोक्ता इसे समझ लेते हैं और उनकी असुरक्षित स्थिति का फायदा उठाते हैं। वे कई तरह से प्रवासियों को नियंत्रित करते हैं, जिनमें इमिग्रेशन न्यूज़ीलैंड को सूचना देने से रोकने के लिए उन्हें धमकाना, मज़दूरियों का भुगतान न करना या कम भुगतान करना, और कुछ चरम मामलों में, शारीरिक और यौन दुर्व्यवहार शामिल हैं।

अनेक लोगों से कई-कई घंटों तक लगातार काम लिया जाता है, इसके अलावा उनको भावनात्मक तनाव का भी सामना करना पड़ता है, जिससे उनके लिए स्वास्थ्य और सुरक्षा संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। अनेक लोग बुरी तरह थक जाते हैं, वे मानसिक आघात का शिकार हो जाते हैं और अवसाद में चले जाते हैं।

बिज़नेस स्कूल

उनके आघात और दर्द के बावजूद, कुछ लोग भावी प्रवासियों के लिए रास्ता बेहतर बनाने की कोशिश करते हैं। पिछले दशक के दौरान मेरे शोध में, मैंने जिन लोगों का साक्षात्कार लिया उनसे काफी परेशान करने वाले वृत्तांत सुने हैं। उन्होंने अपने शोषण के बारे में खुलकर बात की, इसलिए नहीं कि इसमें उनका लाभ था, बल्कि इस उम्मीद में कि यह व्यवस्था कभी न कभी बदलेगी और तब शायद भविष्य के प्रवासियों को उनके जैसे अनुभवों से नहीं गुज़रना पड़ेगा।

पीड़ितों की बात सुनने से चार दक्षिण कोरियाई जहाजों के अधिकारियों के विरूद्ध प्राथमिक उद्योग मंत्रालय (MPI) द्वारा सफलतापूर्वक कानूनी कार्यवाही भी संभव हो सकी, जो न्यूज़ीलैंड की जल सीमा में गैरकानूनी ढंग से मछलियां पकड़ते थे। 2011 में, इनमें से एक जहाज के इंडोनेशियाई कर्मचारियों को स्वदेश भेजा गया। फिशिंग कंपनी ने उनको भुगतान नहीं किया था, और उनके दक्षिण कोरियाई अधिकारियों ने उनमें से कुछ के साथ शारीरिक दुव्यर्वहार किया था। जब वे अपनी उड़ान के लिए इंतज़ार कर रहे थे, तब एक एम.पी.आई(MPI) अधिकारी ने इनमें से कुछ कर्मचारियों से बात की। उसने पूछा कि क्या वे गैरकानूनी तरीके से मछली पकड़ने वाले दक्षिण कोरियाई अधिकारियों के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही में एम.पी.आई(MPI) की मदद करने के लिए न्यूज़ीलैंड में रुकना चाहेंगे। एक ने बताया, 'मैं न्यूज़ीलैंड सरकार का आभारी हूं, और हाँ कहा… मैं न्यूज़ीलैंड सरकार की मदद के लिए तैयार हूं।' इसके बावजूद, कर्मचारियों से किए गए दुव्यर्वहार के लिए अधिकारियों के विरूद्ध कोई आरोप नहीं लगाए गए।

हम पीड़ितों से काफी कुछ सीख सकते हैं। वे शोषण की पद्धतियों, शोषण करने वालों के द्वारा उपयोग किए जाने वाले कारोबार मॉडलों, उत्पीड़न की पद्धतियों, और इस क्षेत्र में काम करने वाले नेटवर्कों के बारे में गहरी जानकारियां दे सकते हैं।

न्यूज़ीलैंड ने मानव तस्करी के खिलाफ दो बार सफलतापूर्वक कानूनी कार्यवाही की हैं। पहला मामला तब अधिकारियों की जानकारी में आया जब एक पीड़ित ने चर्च में अपने अनुभव के बारे में अन्य लोगों से बताया।

पीड़ितों की आवाज़ मायने रखती है।

न्यूज़ीलैंड के प्रवासियों के लिए नया समर्थन

स्टीव साइमन, अध्यक्ष

बेहतर जिंदगी की तलाश में न्यूज़ीलैंड आने वालों के लिए शोषण एक बढ़ती सच्चाई बन गया है। इस दुखद सच्चाई को देखते हुए माइग्रेंट एक्सप्लॉइटेशन रिलीफ फाउंडेशन (MERF) की स्थापना की गई।

जून में आयोजित एक कार्यक्रम में औपचारिक रूप से इमिग्रेशन मंत्री, माननीय क्रिस फाफोई की उपस्थिति में शुरू किए गए इस फाउंडेशन ने शोषण के चक्र का खात्मा करने की दिशा में अपने शुरूआती कदम उठाए।

न्यूज़ीलैंड, प्रवासी कार्य बल पर निर्भर है, और इस देश में आगंतुकों (विज़िटर्स) के रूप में उनको सभी कर्मचारियों के समान संरक्षण और लाभ प्राप्त होने चाहिए। हालांकि कई वजहों से ऐसा नहीं हो रहा है। अलगाव चाहे संस्कृति, भाषा, निर्धनता, या रोजगार की शर्तों के कारण हो, इन कर्मचारियों के लिए असमानता की परिस्थितियां अभूतपूर्व ढंग से बढ़ती ही जा रही हैं।

MERF की अवधारणा, इमिग्रेशन न्यूज़ीलैंड में एक जाँचकर्ता के रूप में पीड़ितों के साथ काम करने के बाद कैमरून बोवर द्वारा पहली बार विकसित की गई थी। समान सोच वाले लोगों को एकजुट करते हुए, फाउंडेशन ने शोषण के पीड़ितों के लिए मौजूद कमियों की पहचान की। और यह कि एक सम्पूर्ण समाधान तैयार करने की दिशा में क्या किया जाना चाहिए।

MERF प्रवासियों को अनिवार्य शिक्षा और ज्ञान प्रदान करते हुए, शोषण से बचाव हेतु अपनाने के लिए स्पष्ट मार्ग सुनिश्चित करता है और यह सुनिश्चित करता है कि वे फिर से कभी भी उसी परिस्थिति में न फंसें।

इसके अलावा, शोषण करने वाले नियोक्ताओं की जिम्मेदारी तय करने, तथा मौजूदा परिस्थितियों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने का अभियान चलाया जाता है, ताकि वास्तविक बदलाव हासिल किए जा सकें। यह सुनिश्चित करना फाउंडेशन की प्राथमिकता है कि इस प्रकार के कारोबारी तरीके, न्यूज़ीलैंड में व्यवसाय का स्वीकृत नियम न बनने पाएं।

“इस सच्चाई का सामना करना, पहला कदम है,” ऐसा MERF के अध्यक्ष स्टीव साइमन का मानना है, “इस सेवा के बिना प्रवासी श्रमिक खुद को उपेक्षित महसूस करते हैं। हमारे अनुभव हमें बताते हैं कि प्रायः उनको यह पता नहीं होता कि क्या उनको अपने अनुभव

बताने चाहिए और निष्कासित किए जाने का जोखिम उठाना चाहिए, या अनुचित व्यवहार और शोषण का सामना करते रहना चाहिए।”

किए जाने वाले ज़रूरी कार्य के वित्तपोषण के लिए फाउंडेशन, दान (चैरिटी) पर निर्भर है। दान जितना ही ज़्यादा मिलेगा, MERF इस चक्र को तोड़ने की दिशा में उतने ही प्रभावी तरीके से कार्य कर सकेगा। कार्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी
में शामिल नीतियों को कार्य रूप में बदलने का संकल्प रखने वाली कंपनियां, इस महत्त्वपूर्ण कार्य में सहयोग कर सकती हैं। अधिक जानकारी www.merf.co.nz पर देखी जा सकती है।

शोषण और अनैतिक श्रम विधियां, न केवल कर्मचारियों के जीवन को नुकसान पहुंचाती हैं, बल्कि अच्छे व्यवसायों की भी विरोधी होती हैं जो अनुपालन न करने वाले नियोक्ताओं से स्पर्धा करने का प्रयास करते हैं।

*“हमारे कार्य में हर किसी के द्वारा, ऊंचे मानकों वाले तरीके अपनाए जाने की आवश्यकता है ताकि ऐसे वैध व्यवसाय जिनको बाधा का सामना करना पड़ रहा है
उनको नुकसान न पहुँचे।”*

जागरूकता को कार्यवाही में बदलना

फादर जेफ ड्रेन,
सीफेरर्स वेलफेयर बोर्ड, न्यूज़ीलैंड

हम सभी ने मार्च में यह खबर सुनी कि एक बड़ा मालवाहक जहाज, स्वेज नहर में एक हफ्ते तक अटका रहा। मीडिया कवरेज के लिए यह बड़ी सनसनीखेज घटना थी, क्योंकि एक बहुत महत्त्वपूर्ण जलमार्ग अवरूद्ध हो गया था। लेकिन पिछले चार वर्ष पहले एक अन्य जहाज की घटना अधिक पुरानी नहीं है, जिस पर मोहम्मद आयशा रह रहा है। हाल के महीनों में, वह एकदम अकेला है। लॉयड'स लिस्ट (एक अंतर्राष्ट्रीय शिपिंग पत्रिका) के अनुसार, छोड़ दिए जाने वाले कर्मचारियों की संख्या बढ़ती जा रही है, जो समुद्री यात्रियों को असुरक्षित स्थितियों में डाल रही है।

बीबीसी के पॉल एडम्स ने मोहम्मद से चार सप्ताह तक संपर्क रखा, और उसके एकाकी, समुद्री जीवन के बारे में जाना। वह चूहों के बीच रहा; जहां बिजली या पीने योग्य पानी नहीं था, और उसे भोजन और पानी की तलाश में तथा अपने फोन को रिचार्ज कराने के लिए तैरना आवश्यक था। लॉयड'स ऑफ लंदन के अनुसार, पिछले साल समुद्री यात्रियों को छोड़ देने के 250 से भी अधिक मामले देखे गए थे।

हालांकि यह एक बेहद गंभीर स्थिति है, हम सबने न्यूज़ीलैंड की जलसीमा में ऐसे समुद्री यात्रियों के बारे में सुना है, जिनको मार्च 2020 में कोविड-19 लॉकडाउन के बाद से जहाज से उतरने नहीं दिया गया। उन्हें कहीं भी समुद्र तट से छुट्टी नहीं मिली । हालांकि स्वास्थ्य सर्वोपरि है, लेकिन मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को देखते हुए यह मानवाधिकार का एक गंभीर मामला भी है। परिवार या अन्य लोगों से कोई प्रत्यक्ष संपर्क न होना, और घर वापस लौटने का अवसर भी न होना, बहुत गंभीर बात है। जैसा कि मोहम्मद आयशा ने कहा, कि यह लोहे की बनी जेल में रहने जैसा है, जहां जहाज कंपनियों, शिपिंग एजेंटों, या सरकार में से किसी को कोई परवाह नहीं, जिससे आत्म-सम्मान को चोट पहुंचती है और त्याग दिए जाने का अहसास होता है।

हालाँकि विश्वस्तरीय महामारी ने इस देश में समुद्री यात्रियों के लिए सेवाओं को चर्चा में ला दिया। न्यूज़ीलैंड में सैकड़ों वर्षों से, उदारवादी पंथ आधारित संगठनों और मानवतावादियों द्वारा पूरी तरह समर्थित होने के बाद अब महामारी के कारण और 2016 में सामुद्रिक श्रमिक संधिपत्र पर हस्ताक्षर किए जाने के कारण क्राउन, समुद्री यात्रियों के कल्याण की जिम्मेदारी को अधिक गंभीरता से ले रहा है।

सरकार द्वारा दिसम्बर 2017 में, न्यूज़ीलैंड समुद्री यात्री कल्याण बोर्ड [SWBNZ] को समुद्री यात्रियों के लिए सेवाओं के आधिकारिक प्रदाता के रूप में मान्यता दी गई थी, और पिछले सितम्बर में इससे कोविड-19 के विरूद्ध सामुदायिक स्वास्थ्य संरक्षण में भागीदारी के लिए कहा गया। समुद्री यात्रियों के लिए पत्तन प्राधिकारियों, सामुद्रिक ट्रेड यूनियनों और स्थानीय सरकारों के साथ मिलकर कार्य करते हुए उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान एक महत्त्वपूर्ण बदलाव की दिशा में कार्य किया और समुद्री यात्रियों के मानवाधिकार बहाल करते हुए उन्हें अनिवार्य वस्तुओं और सेवाओं के लिए समुद्र तट छोड़ने की अनुमति दिलाई। परिवहन मंत्रालय ने SWBNZ के लिए एक परीक्षण आधारित वित्तपोषण अनुबंध प्रस्तावित किया, ताकि हर पत्तन पर कम से कम एक नामांकित जहाजी आगंतुक (शिप विज़िटर) को मजदूरी का भुगतान किया जा सके। इस शिप विज़िटर को निगरानी योग्य होना था और हर पंद्रह दिन में एक बार इसकी जाँच की जानी थी। इस वित्तपोषण से शिप विज़िटर को सुविधा मिली और डिलीवर तथा रिकवर होने तक समुद्री यात्रियों के लिए उपभोक्ता वस्तुओं और सेवाओं की खरीदारी के खर्च को कवर किया जा सका। अंतत: वित्तपोषण से ये सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रशासनिक और प्रशिक्षण के खर्चों को कवर किया गया।

फोटो: कैमरून वेंटी द्वारा अनस्प्लैश पर

इस तरह से, सामुदायिक स्वास्थ्य बनाए रखने के साथ समुद्री यात्रियों के अधिकारों को रातों रात अधिक संतुलित किया गया। शिप विज़िटर्स को प्रशिक्षण लेना होता था और उन्हें उचित निजी सुरक्षा उपकरण प्रदान किए जाते थे। पत्तन प्राधिकारियों को सरकार द्वारा आदेश दिया गया कि वे SWBNZ से अधिक तालमेल बनाकर कार्य करें, यह एक ऐसा संबंध है जो हमेशा ही कठिन रहा है क्योंकि दशकों से पत्तन स्वयं को मात्र क्षेत्रीय अर्थव्यवस्थाओं में सहयोग के लिए शिपिंग प्रदाता के रूप में देखते रहे हैं, और इसलिए विदेशी समुद्री यात्रियों के लिए उनकी कोई जिम्मेदारी नहीं होती। न्यूज़ीलैंड ने मानवाधिकारों के मुद्दों वाले इस मामले में भी विश्व में नेतृत्व किया और एक मिसाल कायम की, जिसे अन्य सरकारें भी अपनाने पर विचार कर रही हैं।

संयुक्त राज्य अमेरिका का दूतावास

"शब्दों से कार्यवाही तक"

न्यूज़ीलैंड में यू.एस. मिशन की टिप्पणियां, चार्ज डी'अफेयर्स केविन कोवर्ट, टैंगो आई ते काउपाए मूरी/अगला कदम उठाओ तस्करी-विरोधी सम्मेलन

मंगलवार, 16 मार्च, 2021

प्रत्येक वर्ष, मानव तस्करी करने वाले लोग लगभग 25 मिलियन लोगों को स्वतंत्रता के उनके मौलिक अधिकार से वंचित करते हैं, उनको दासता का जीवन जीने के लिए विवश करते हैं, और उनका शोषण करने वालों के फायदे और मुनाफे के लिए उन्हें घोर परिश्रम करने पर मज़बूर करते हैं। और हर दिन, आपमें से अनेक लोग इसे बदलने के लिए संघर्ष करते हैं। हम इस कार्य को समझते हैं, और यह संघर्ष जारी रखने में मदद के लिए आज हम सब यहां हैं। आज के सम्मेलन का विषय, "अगले कदम उठाना", उन चर्चाओं का संकेत देता है जो आपमें से अनेक लोगों के साथ मैंने की हैं, जिनमें मैंने आमतौर पर यह आशंका सुनी है कि, "बातें तो ठीक है, लेकिन हमें कार्यवाही की ज़रूरत है।" सभी सरकारों को, मेरी अपनी समेत, अगला कदम उठाना ही होगा-शब्दों से कार्यवाही तक। मानव तस्करों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही बढ़ाने के लिए, तस्करी के पीड़ितों की पहचान और देखभाल करने के अपने प्रयासों को बढ़ाने के लिए, और यह सुनिश्चित करने के लिए हमें कठिन परिश्रम करना होगा कि पीड़ितों को उन अपराधों के लिए सजा न दी जाए, जो तस्करों ने उनको मज़बूर करके करवाए हों।

मुझे गर्व है कि मानव तस्करी– या "TIP" – रिपोर्ट तैयार करते हुए यूनाइटेड स्टेट्स कांग्रेस ने 21 वर्ष पहले इस जघन्य अपराध के विरूद्ध कार्यवाही के लिए पहल की थी। बीस वर्षों से, इस अंतर्राष्ट्रीय बेंचमार्क रिपोर्ट ने संयुक्त राज्य के इस दृढ़ विचार को प्रदर्शित किया है कि मानव तस्करी एक वैश्विक खतरा है, जिसके लिए वैश्विक प्रतिक्रिया की आवश्यकता है।

कोई भी देश आदर्श नहीं है– न तो संयुक्त राज्य न ही न्यूज़ीलैंड – लेकिन TIP रिपोर्ट हमारी सरकारों को उपयुक्त डाटा से लैस करती है, जो उनको तस्करों के खिलाफ जाँच करने, कानूनी कार्यवाही करने और दंडित करने को बढ़ाने तथा तस्करी के पीड़ितों के लिए सबसे उपयुक्त संरक्षण प्रदान करने के लिए चाहिए। अब कोविड-19 महामारी ने यह पहले से अधिक स्पष्ट कर दिया है कि कि हम सभी को-अंतर्राष्ट्रीय साझेदारों, सरकारों, पंथ समुदायों, एनजीओ, व्यावसायिक नेताओं-को मिलकर यह संघर्ष करने की ज़रूरत है। कोविड ने आर्थिक अस्थिरता, तथा महत्त्वपूर्ण सेवाओं तक पहुँच के अभाव को गंभीर बना दिया है, और विश्वस्तर पर तस्करों द्वारा शोषण के प्रति असुरक्षित लोगों की संख्या, चिंताजनक रूप से बढ़ गई है।

नेतृत्व करने पर सरकारें वास्तव में सार्थक बदलाव ला सकती हैं। हाल ही में यू. एस. और न्यूज़ीलैंड तस्करी जाँचकर्ताओं और अभियोजकों ने एक दो-दिवसीय वेबिनार के दौरान सर्वोत्तम विधियों और केस अध्ययनों को साँझा किया। अमेरिका के न्याय विभाग और न्यूज़ीलैंड सरकार के मानव तस्करी ऑपरेशन ग्रुप के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच सूचनाओं के इस वर्चुअल आदान-प्रदान में साँझे सरोकारों वाले क्षेत्रों – तस्करों के काम करने के तौर-तरीकों में उभरते वैश्विक रुझानों से लेकर; जाँच करने के पीड़ितों पर केंद्रित तरीकों तक; और विभिन्न सांस्कृतिक मानकों में कार्य करने के उपायों तक को कवर किया गया। हमारे दोनों देशों में तस्करी के स्वरूपों और कानूनी व्यवस्थाओं में महत्त्वपूर्ण अंतरों के बावजूद, मानव तस्करी का सामना करने की हमारी चुनौतियों में, उससे अधिक समानताएं हैं जितने कि हममें अंतर हैं।

लेकिन सरकारों को नागरिक समाज से मदद की आवश्यकता है। TIP के मामले, कानून प्रवर्तन एजेंसियों के सामने विशेष चुनौतियां उत्पन्न करते हैं, जहां आमतौर पर अपराध को "हल" करने के अल्पकालीन लक्ष्य पर फोकस किया जाता है। हम सभी यह समझते हैं कि तस्करी के पीड़ितों को ऐसी दीर्घकालीन सेवाओं की ज़रूरत होती है जो साँझा मुद्दों का समाधान करती हों, जैसे कि तस्करों द्वारा उनके पीड़ितों पर लगातार प्रभाव बनाए रखना, और सर्वाइवर्स की दीर्घकालीन शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताएं। इसलिए मैं कार्ययोजना में पीड़ित केंद्रित विधि की रूपरेखा देखकर विशेषरूप से संतुष्ट हूं, जो कभी न कभी देखने के लिए हम सभी उत्सुक रहे थे। मानव तस्करी के वैश्विक अभिशाप को देखकर हमारी कोई भी सरकार संतुष्ट नहीं है। हम प्रगति कर रहे हैं, लेकिन हमें पता है कि हमें और भी बेहतर करना होगा।

और आपकी मदद से, हम और भी बेहतर कर सकते हैं।

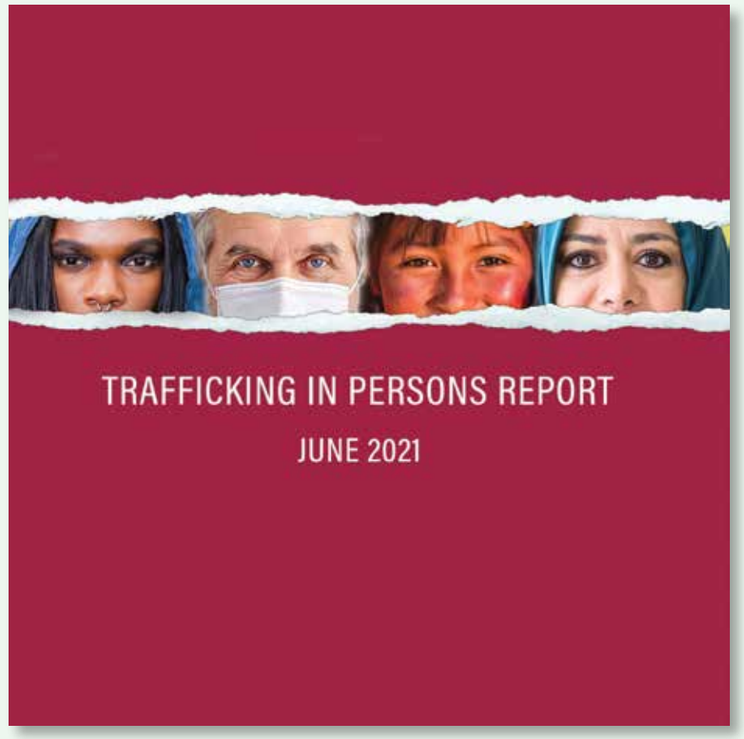

"हमारी स्थिति से हमारा नज़रिया"

रेवरेंड क्रिस फ्रेज़र
अध्यक्ष, दि माडर्न स्लेवरी एंड लेबर एक्स्प्लॉइटेशन एडवाइज़री ग्रुप
दि एंग्लिकन डायोसीज़ ऑफ वेलिंगटन

नज़रिए का अर्थ केवल देखने की क्षमता ही नहीं है- यह इससे भी संबंधित है कि हम किस दृष्टिकोण से देखने का विकल्प चुनते हैं, हम कहां दिखाने का विकल्प चुनते हैं, और हम किस प्रकार प्रतिक्रिया तय करते हैं।

2000 में विश्व बैंक ने एक महत्त्वपूर्ण शोध परियोजना आयोजित की। यह तीन भागों वाली श्रृंखला, 60 देशों के 60,000 से अधिक अत्यन्त निर्धन पुरूषों और स्त्रियों के दृष्टिकोण, अनुभव, और आकांक्षाएं समझने के एक अभूतपूर्व प्रयास पर आधारित थी। इन देशों में शोध टीमों ने जाकर उन स्थानों पर लोगों से संपर्क किया और उनके विचार सुने, जहां वे लोग रहते और काम करते थे। शोधकर्ताओं के साथ सामुदायिक समूहों में संकलित उनके विचारों ने उनके भोगे यथार्थ को निर्देशित और सूचित किया। शोध के भाग दो की प्रस्तावना 'परिवर्तन की जद्दोजहद में यह तथ्य स्पष्ट किया गया कि शोध के समय, 2.8 मिलियन निर्धनता विशेषज्ञ थे। ये विशेषज्ञ कौन थे? **ये वास्तविक निर्धनता के बीच रहने वाले लोग थे।**

तथापि, यह इंगित किया गया कि निर्धनता से संबंधित विकास के विमर्श में उन लोगों के दृष्टिकोण और विशेषज्ञताएं हावी है, जो निर्धन नहीं हैं-ये पेशेवर लोग, राजनीतिज्ञ, और एजेंसियां हैं। मुक्त सहभागी विधियों का उपयोग करते हुए, प्रतिकूल प्रभावित लोगों को आवाज़ और शक्ति प्रदान करना इस शोध का ध्येय था, ताकि वे निर्धनता के अपने अनुभव और दृष्टिकोण, इसकी वजहें बता सकें, और यह कि उनके विचार में इसे कैसे कम किया जा सकता है।

परिवर्तन की एक रणनीति के तत्वों पर केंद्रित एक अध्याय में कहा गया है कि, "जब निर्धन लोगों के दृष्टिकोणों और अनुभवों से हस्तक्षेपों, और सरकारी क्रियाकलापों को देखा जाता है, तो विकास हेतु सहायता की दुनिया अलग तरह की दिखती है। निर्धनों के नज़रिए और भावनाओं के माध्यम से विश्व को देखना, उनकी वास्तविकताओं से छानबीन की शुरूआत करते हुए ऊपर और बाहर की ओर बढ़ना और फिर इस तरह से निर्धन लोगों के जीवन को प्रभावित करने वाले बदलावों की पहचान करना और बदलाव करना, इस दायरे से बाहर के लोगों के लिए एक चुनौती है।"

जुलाई 30 को मानव तस्करी विरोध दिवस मनाया जाता है और इस वर्ष की थीम और उद्देश्य गंभीर शोषण और तस्करी की स्थितियों में फंस जाने की कठोर सच्चाई का प्रत्यक्ष अनुभव करने वाले लोगों को प्राथमिकता देना और उन पर ध्यान केंद्रित करनाहै।

थीम, **"पीड़ितों की आवाज़ से रास्ता मिलेगा"** में मानव तस्करी के पीड़ितों को अभियान के केंद्र में रखा गया है और मानव तस्करी के शिकार होकर बचने वाले लोगों (सर्वाइवर्स) की बात सुनने और उनसे सीखने के महत्त्व को रेखांकित किया जाएगा। यह अभियान सर्वाइवर्स को मानव तस्करी के विरूद्ध संघर्ष में मुख्य कार्यकर्ताओं के रूप में स्थापित करता है और इस अपराध की रोकथाम करने, पीड़ितों की पहचान करने और उन्हें छुटकारा दिलाने, और पुनर्वास की दिशा में उनका सहयोग करने के लिए लागू किए जाने वाले प्रभावी उपायों में उनके द्वारा निभाई जाने वाली महत्त्वपूर्ण भूमिका पर केंद्रित है।

मानव तस्करी के अनेक पीड़ितों ने मदद हासिल करने के अपने प्रयासों में लापरवाही या गलतफहमियों का अनुभव किया है। छुटकारे के बाद पहचान संबंधी साक्षात्कारों, और कानूनी कार्यवाहियों के दौरान, उनके दुखद अनुभव रहे हैं। कुछ लोगों को फिर से शोषण, तथा उन अपराधों के लिए सज़ा का सामना करना पड़ा, जो उनकी तस्करी करने वालों के द्वारा उनको करने के लिए मज़बूर किया गया था। अन्य लोगों को दोषारोपण का सामना करना पड़ा, या अपर्याप्त सहयोग मिला।

पीड़ितों के अनुभवों से सीखने, और उनके सुझावों को ठोस कार्यवाही में बदलने से, मानव तस्करी का सामना करने की दिशा में एक अधिक पीड़ित-केंद्रित और प्रभावी तरीका विकसित किया जा सकेगा।

वर्तमान में तस्करी से संबंधित विचार-विमर्श, विविध जटिल समस्याओं को उजागर करने वाला, अपेक्षाकृत अधिक कठिन और कम आकर्षक तरीका अपनाने के बजाय बड़ी हद तक 'फीलिंग गुड अबाउट फीलिंग बैड' सिंड्रोम से प्रभावित है, जो ऐसी आपराधिक गतिविधियों में निरंतर बढ़ोत्तरी देखता है।

न्यूज मीडिया या संबंधित संगठनों द्वारा लिखे गए अनेक आलेखों में 'संतों, पापियों और मसीहाओं' वाला एक नज़रिया देखने को मिला है, और छापेमारी तथा छुटकारा दिलाने पर जोर दिया गया है, **अच्छे बनाम बुरे।** शोषण वाली दशाओं में फंसे किसी बच्चे या वयस्क को छुटकारा दिलाने के महत्त्वपूर्ण उपायों से अलग, ऐसी वजहों की पहचान और समाधान के लिए और अधिक कार्य किया जाना होगा, जो ऐसी आपराधिक गतिविधियों को प्रेरित करती हैं।

नवीनतम तस्करी विरोधी अभियान के प्रचार के लिए उपयोग किए जाने वाले नाटकीय चित्र, या सनसनीखेज समाचार सुर्खियां, अपराध की जड़ में जाने का कम ही प्रयास करती हैं, और इस तरह के नाटकीय प्रस्तुतिकरण से लाभ के बजाय हानि पहुँचने की ही संभावना अधिक रहती है।

सभी प्रकार की मानव तस्करी और श्रमिकों के शोषण का समाधान करने और इसके विरूद्ध एओटेरोआ की प्रतिक्रिया आगे बढ़ाने के साथ हमें पूरी व्यापकता में जाना होगा, और अपना दृष्टिकोण अधिक विस्तृत बनाने के लिए सुनना और समझना होगा।

क्या हम यह कर सकते हैं? मेरा विश्वास है कि प्रभावी सहयोग करते हुए मिलकर हम इसे कर सकते हैं!

34,000 किवी और 110 व्यवसायों ने संकल्प लिया है।

मिशेलिया माइल्स,
ट्रेड ऐंड डेवेलपमेंट मैनेजर

29 जून को न्यूज़ीलैंड के 34,000 से अधिक निवासियों और न्यूज़ीलैंड के 110 व्यवसायों ने एक संकल्प लिया। आधुनिक दासता के प्रचलन से, न्यूज़ीलैंड के निवासियों के रूप में हमारे मामले में उन्होंने अपनी आँखें और कान खुला रखने का विकल्प चुना। उन्होंने संकल्प लिया और एक याचिका पर अपने हस्ताक्षर करते हुए प्रतिक्रिया की, जिसमें बदलाव के लिए आग्रह किया गया था, और व्यवसायों ने संयुक्त पत्र में अपने लोगो जोड़ना भी चुना । उन्होंने उत्पादन कार्य में आधुनिक दासता के विरूद्ध कार्यवाही के लिए सरकार से आग्रह किया, उन्हें यह बताते हुए कि आधुनिक दासता अधिनियम न होने के कारण हम अपने समय के सबसे गंभीर श्रमिक अधिकार के मुद्दे के संबंध में पिछड़े हुए हैं।

आज़ादी के लिए हस्ताक्षर अभियान, जबरन श्रम की दशाओं के बारे में विश्वस्तर पर 25 मिलियन लोगों को जागरूक करता है- उत्पादकों को बहुत कम या कोई लाभ न प्रदान करते हुए माल या सेवाएं उपलब्ध करवाते हुए । इस तरह से किवी लोगों ने यह समझा कि वे गंभीर शोषण का शिकार हो रहे लोगों की दुर्दशा से जुड़े हैं, और वे एक लोकतांत्रिक समाज में उपभोक्ताओं और नागरिकों के रूप में इसके विरोध में अपना दबाव बना सकते हैं और उनको ऐसा करना भी चाहिए।

इस अभियान के द्वारा सरकार से जो कानून बनाने का अनुरोध किया गया, उसे दुनिया के 18 देशों में पहले ही पारित किया जा चुका है या प्रारूप तैयार किया जा चुका है। 34,000 हस्ताक्षरों वाली याचिका प्रमाण है कि न्यूज़ीलैंड के निवासी जानते हैं कि अपने लक्ष्य प्राप्त करने के लिए उन्हें क्या करना है। यह दिखाता है कि उपभोक्ता, ऐसे सामान नहीं खरीदना चाहते जिनके उत्पादन से आधुनिक दासता का कोई संबंध रहा हो। लेकिन कानून के बिना, हमारे व्यवसायों पर इसका पता लगाने की जिम्मेदारी नहीं बनती, कि उनके उत्पाद कहां से आ रहे हैं। कानून के बिना, हमारी बढ़ती जटिलता वाली वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं अपारदर्शी बनी रहेंगी, और यह देखा नहीं जा सकेगा कि उत्पादों को कौन बना रहा है और किन दशाओं में बना रहा है।

आधुनिक दासता अधिनियम बनाने की दिशा में आवश्यक कार्यवाही के लिए सरकार से अनुरोध वाले पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले 110 व्यवसाय, इस दिशा में नेतृत्व में मदद कर रहे हैं। आमतौर से आप व्यवसायों को सरकार से अतिरिक्त कानूनों की माँग करते नहीं सुनेंगे, लेकिन इस मामले में, उन्होंने इसे समझा है कि आपूर्ति श्रृंखलाओं में पारदर्शिता, व्यवसाय का भविष्य है।

दुनिया अब काफी छोटी और जुड़ी हुई बन गई है। जब भी हम कोई उत्पाद खरीदते हैं, तो उसकी श्रृंखला अभिक्रिया पूरे विश्व भर में कहीं न कहीं प्रभावित करती है। ट्रेड ऐड में हम इस प्रभाव को लाभकारी बनाने का प्रयास करते हैं, लेकिन सभी व्यवसायों के लिए यह लक्ष्य उनकी प्राथमिकता में नहीं है।

पारदर्शिता, समस्याओं की पहचान करने की दिशा में पहला कदम है। समस्या की जानकारी के बिना, इसका समाधान नहीं किया जा सकता, और यह अब तक वैश्विक व्यापार का मुद्दा रहा है। अनेक कंपनियों ने अपनी जिम्मेदारियों को अपने देशों की सीमाओं तक ही माना है। आधुनिक दासता का एक वक्तव्य, नज़रिए को व्यापक स्तर पर बदलते हुए यह बताता है कि कोई भी व्यवसाय, अपनी पूरी आपूर्ति श्रृंखला के लिए जिम्मेदार होता है, यह कि किसी उत्पाद के लिए इसकी माँग, इसे उन दशाओं के लिए जवाबदेह बनाती है जिनमें उस उत्पाद को निर्मित किया गया है।

इस दिशा में देर से कार्यवाही के कारण न्यूज़ीलैंड के लिए यह समझने का एक अवसर है, कि प्रभावी कानून कैसा होना चाहिए। इससे हमें वश्व में अग्रणी कानून बनाने का अवसर मिला है जो न्यूज़ीलैंड के अद्वितीय व्यावसायिक माहौल के अनुसार अनुकूलित हो।

उपभोक्ताओं ने इसे समझा है कि चूंकि अब व्यापार वैश्विक हो गया है, इसलिए कहीं भी कोई चीज़ किन परिस्थितियों में बनाई जा रही है, इस बारे में हमारी अपेक्षाएं, पड़ोसी कस्बे में इसके बनाए जाने की तुलना में भिन्न नहीं होनी चाहिए। हम अपने उत्पादन में दासता सहन नहीं करेंगे, अगर यह हमारे भाई, बहन, चचेरे भाई-बहनों या पड़ोसियों को प्रभावित करता हो। फिर भी, दुनिया में 40 मिलियन लोग आधुनिक दासता के शिकार हैं। वे हमारे लिए कपड़े बना रहे हैं, हमारे लिए चीनी का उत्पादन कर रहे हैं और हमारे इलेक्ट्रॉनिक्स सामानों के लिए खनन सामग्रियां तैयार कर रहे हैं। इसलिए, न्यूज़ीलैंडवासियों ने अब एक आह्वान किया है। हमारे उत्पादों में, दासता को इतिहास बना देने का अवसर आ गया है।

हमारी सरकार से आधुनिक दासता अधिनियम पारित करने की माँग वाले अभियान के बारे में अधिक जानकारी के लिए यहां देखें:
www.signforfreedom.nz

मानव तस्करी के समापन के लिए श्रमिकों की आवाज़ खोजना

जबरन श्रम, मानव तस्करी और दासता के विरूद्ध कार्ययोजना को मार्च 2021 में जारी किया जाना, इस बारे में अच्छी तरह याद दिलाता है कि इन जघन्य कृत्यों को कानूनी शिकंजे में लाने के मामले में एओटेरोआ कितना पीछे है। वर्ल्ड विज़न की एक हाल की रिपोर्ट में यह रेखांकित किया गया है कि 2019 में अनुमानित $3.1 बिलियन राशि के "जोखिमपूर्ण माल" को– जिसका उत्पादन जबरन श्रम या बाल श्रम वाली दशाओं में किया गया था– को एओटेरोआ में आयात किया गया और उपभोक्ताओं को बेचा गया।

दशकों से, फर्स्ट यूनियन (FIRST Union) प्रवासी श्रमिकों के शोषण और वैश्वीकरण के परस्पर जुड़े मुद्दों पर काम करता रहा है; मानव तस्करी और जबरन श्रम से जुड़े क्षेत्रों में जाना, रिटेल, वितरण और लॉजिस्टिक्स जैसे उद्योगों के श्रमिकों से बनी यूनियन के लिए एक स्वाभाविक विकल्प है। एओटेरोआ में आने वाले जोखिमपूर्ण माल का बड़ा भाग हमारी यूनियन द्वारा हैंडल किया जाता है; इसलिए इन आपूर्ति श्रृंखलाओं पर हम जो औद्योगिक दबाव डाल सकते हैं वह महत्त्वपूर्ण है।

हमारी यूनियन, यह सुनिश्चित करने के लिए कमर कसे हुए है कि हमारे सदस्य इसे समझें कि मानव तस्करी और जबरन श्रम एओटेरोआ से किस प्रकार संबंधित है। जुलाई 2020 में जोसेफ औगा मातामाता को मानव तस्करी और आधुनिक दासता के आरोपों के लिए मिली सज़ा ने बहुत लोगों को स्तब्ध कर दिया, जिसने चौबीस वर्ष की अवधि के दौरान समोआ के दर्जनों श्रमिकों को एओटेरोआ के लिए प्रलोभन दिया था जिनको बागवानी उद्योग में अपमानजनक शोषण भरे व्यवहार का शिकार बनना पड़ा था।

हमें पता है कि यह एओटेरोआ में मानव तस्करी का अंतिम मामला नहीं है, लेकिन हमें मानव तस्करी और जबरन श्रम के उन मामलों को भी समान घृणा भावना से देखना होगा जो हमारी सीमाओं के पार होते हैं, और इसकी रोकथाम के लिए अपनी हरसंभव शक्तियों-श्रमिकों, और उपभोक्ताओं, और सक्रिय नागरिकों के रूप में-का उपयोग करना होगा।

2018 से फर्स्ट यूनियन (FIRST Union) मलेशिया के रबर दस्ताना उद्योग में जबरन श्रम और मानव तस्करी को सक्रियतापूर्वक उजागर करता रहा है, एक क्षेत्र जिसे तेज़ उछाल मिली क्योंकि कोविड-19 आपदा के बाद से रबर के दस्तानों की माँग काफी बढ़ गई है। हमारी पैरवी की वजह से न्यूज़ीलैंड सरकार ने टॉप ग्लव (Top Glove) (विश्व में दस्तानों का सबसे बड़ा निर्माता, जिस पर कर्ज़ आधारित बंधुआ मजदूरी कराने, श्रमिकों से जबरदस्ती अधिक घंटों तक काम लेने, पासपोर्ट जब्त कर लेने, और खराब आवास सुविधाएं देने आदि के आरोप हैं) से दस्ताने न खरीदने का संकल्प किया और सुनिश्चित किया कि उनके उत्पाद न्यूज़ीलैंड के दो सबसे बड़े खरीदारों– EBOS और Foodstuffs (जो कि दोनों फर्स्ट यूनियन की साइटें हैं) से अस्वीकृत कर दिए जाएं।

इसके अलावा, 2021 में हमने यूनियन ऐड (UnionAID) की सांझेदारी में एक कार्यक्रम चलाया, जो मलेशियाई रबर ग्लव कंपनियों से नेपाली प्रवासी श्रमिकों की मदद के लिए था, जिन्होंने उनके पूर्व नियोक्ताओं द्वारा दिए गए कर्ज को चुकता करने के लिए नियुक्ति कर्ज का भुगतान किया था। परियोजना के एक कार्यकर्ता– युबराज खड़का - टॉप ग्लव्स के एक भूतपूर्व सतर्कता सूचक हैं, जिन्होंने उस फैक्टरी में स्वास्थ्य और सुरक्षा के अपर्याप्त नियमों को लेकर चिंता प्रकट की थी, जहां वे काम करते थे, और इसी फैक्टरी में बाद में कोविड-19 के हजारों मामले पाए गए थे।

इस परियोजना के परिणामस्वरूप अब तक लगभग 50 पूर्व श्रमिकों को लगभग छह माह की मजदूरी के बराबर एकमुश्त भुगतान किया गया है। प्रवासी श्रमिकों के लिए यह भुगतान, जीवन में बड़ा बदलाव लाने वाला है।

हमारे विचार में, एओटेरोआ में चर्चा में श्रमिकों की आवाज़ शामिल नहीं है और यह कि जब तक हम यह साँझा समझ नहीं विकसित कर सकते-कि हम सभी कार्यकर्ता हैं, और यह कि सभी कार्यकर्ता साथ मिलकर कार्य करने पर इतिहास की दिशा बदल सकते हैं-तब तक हम मानव तस्करी और जबरन श्रम के बारे में चर्चाओं को अपनी अर्थव्यवस्था और अपनी संस्कृति का भाग मानने से इनकार करते रहेंगे।

यह बुरा है, और यह मौजूद है, लेकिन हम मिलकर संघर्ष करते हुए इस यथास्थिति को बदल सकते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आधुनिक दासता, मानव तस्करी और बाल श्रम का सफाया करने के लिए यूनाइटेड किंगडम की प्रतिबद्धता

सैम पास, न्यूज़ीलैंड में ब्रिटिश उप-उच्चायुक्त

किसी पीड़ित की कहानी, शोषण और तस्करी से काफी पहले, और प्रायः उसके बचपन से शुरू होती है। 2021 को यू.एन. ने बाल श्रम के उन्मूलन का वर्ष घोषित किया है और यू.के. ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्यवाही में सहयोग का संकल्प लिया है। कोविड-19 महामारी ने इस आपदा के निर्धनता संबंधी प्रभावों के कारण बाल श्रम मिटाने की दिशा में प्रगति में रूकावट का खतरा उत्पन्न कर दिया है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) और यूनिसेफ (UNICEF) (संयुक्त राष्ट्र बाल कोष) द्वारा प्रकाशित हालिया अनुमानों के मुताबिक, बाल श्रमिकों में 160 मिलियन बच्चों की वृद्धि हुई है, जो विश्व के कुल बच्चों का लगभग 10% है। बच्चे एक सबसे असुरक्षित समूह हैं, जिनका जबरन श्रम और आधुनिक दासता के अपराधियों द्वारा शोषण किया जाता है और उनको नुकसान से बचाने के लिए विशेष अनुकूलित समाधानों की आवश्यकता है। बाल श्रम के समाधान की दिशा में यू.के. के कार्य के कुछ उदाहरणों में निम्न शामिल हैं:

- 2019 में यू.के. ने एक नई आधुनिक दासता एन्वॉय, जेनिफर टाउनसन को नियुक्त किया जो क्षेत्रीय और राष्ट्रीय प्रतिक्रियाओं को समर्थित करने, तथा बाल श्रम के गंभीरतम स्वरूपों सहित आधुनिक दासता के समाधान के लिए सर्वोत्तम विधियां साँझा करने के लिए सरकारों, बहुपक्षीय संगठनों और एन.जी.ओ. के साथ कार्य करती हैं।
- जून 2021 में यू.के. ने कॉर्नवाल में G7 सम्मेलन की अध्यक्षता की जहां G7 नेताओं ने शिक्षा के लिए वैश्विक सांझेदारी के लिए अगले पाँच वर्षों के दौरान कम से कम US$2.75 बिलियन का वित्तपोषण करने का संकल्प लिया। इसके तहत यू.के. ने £430 मिलियन राशि का संकल्प लिया। बाल श्रम बच्चों को उनके बचपन से वंचित करता है और उनकी शिक्षा पर कुप्रभाव डालता है। शिक्षा तक पहुँच, बच्चों को सशक्त बना सकती है और बाल श्रम, जबरन श्रम और आपूर्ति श्रृंखलाओं में श्रम संबंधी अन्य प्रकार के उल्लंघनों का निशाना बनने का उनका जोखिम कम कर सकती है।
- यू.के. ने कोविड-19 की प्रतिक्रिया में बाल संरक्षण कार्यक्रम को अपनाया है। उदाहरण के लिए, बाल विवाह के खात्मे के लिए यू.एन. ग्लोबल प्रोग्राम को समर्थन देना, जो राष्ट्रीय चाइल्ड हेल्पलाइनों, सामाजिक कल्याण कार्यबल को सुदृढ़ बनाने, तथा बाल विवाह के जोखिमों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए 12 देशों में काम कर रहा है।

आधुनिक दासता को हमारी अर्थव्यवस्थाओं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं से समाप्त करना, धारणीय विकास लक्ष्य 8.7 की प्राप्ति की दिशा में यू.के. की एक सर्वोच्च प्राथमिकता है। आधुनिक दासता के वैश्विक अनुमान (2017) यह इंगित करते हैं कि वर्तमान में अधिकांश जबरन श्रम निजी क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में मौजूद है। यह आपूर्ति श्रृंखलाओं में से जबरन श्रम खत्म करने के लिए, व्यावसायिक समुदाय-नियोक्ताओं और कर्मचारियों के संगठनों, और नागरिक समाज संगठनों– के साथ सांझेदारी करने का महत्त्व

स्पष्ट करता है। यू.के. द्वारा अंतर्राष्ट्रीय साझेदारों और एन.जी.ओ. के साथ मिलकर किए जा रहे कार्यों के कुछ उदाहरण निम्नलिखित हैं:

- 'आधुनिक दासता, जबरन श्रम और मानव तस्करी समाप्त करने के लिए कार्यवाही के आह्वान' के माध्यम से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में जबरन श्रम समाप्त करने के लिए व्यवसायों के साथ मिलकर कार्य करना। अंतर्राष्ट्रीय सहमति बनाने और आपूर्ति श्रृंखला संबंधी मुद्दों पर कार्यवाही प्रेरित करने के लिए, यू.के. प्रमुख बहुपक्षीय आयोजनों जैसे कि G7, G20 और UNGA का उपयोग कर रहा है।
- संबंधी मुद्दों पर कार्यवाही प्रेरित करने के लिए, यू.के. प्रमुख बहुपक्षीय आयोजनों जैसे कि G7, G20 और UNGA का उपयोग कर रहा है।

ब्रिटिश सरकार, यू.के. में आधुनिक दासता का समापन करने के लिए कटिबद्ध है। की गई कार्यवाहियों में शामिल हैं:

- आधुनिक दासता अधिनियम 2015 लागू किया जाना। यह अधिनियम, यू.के. की कानून प्रवर्तन एजेंसियों को टूल्स प्रदान करता है जिनसे वे आधुनिक दासता का समाधान कर सकती हैं और पीड़ितों को अधिक संरक्षण दे सकती हैं। यह आधुनिक दासता के पीड़ितों की पहचान और सहायता के उपायों के बारे में कानून और मार्गदर्शन प्रदान करता है। इस अधिनियम में, निर्दिष्ट वाणिज्यिक संगठनों द्वारा एक वार्षिक आधुनिक दासता वक्तव्य प्रकाशित करने की भी अपेक्षा की गई है। मार्च 2021 में, सरकार ने एक ऑनलाइन आधुनिक दासता वक्तव्य रजिस्ट्री प्रारंभ की, जो भविष्य में दायरे में आने वाले संगठनों के लिए दाखिल करना अनिवार्य होगा।
- मार्च 2020 में यू.के. ने विश्व में प्रथम सरकारी आधुनिक दासता वक्तव्य प्रकाशित किया, जिसमें सरकार द्वारा इसकी अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में आधुनिक दासता की रोकथाम के लिए उठाए जाने वाले कदमों के बारे में बताया गया। 2021 से मंत्रालयी विभाग अपने अलग-अलग वार्षिक वक्तव्य प्रकाशित करेंगे।

बदलाव लाने और बाल शोषण की रोकथाम करने की दिशा में आपसी सहयोग बहुत महत्त्वपूर्ण है। यू.के., वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में आधुनिक दासता, मानव तस्करी और बाल श्रम से संघर्ष के लिए सरकारों, व्यवसायों और एन.जी.ओ. के साथ मिलकर काम करता रहेगा।

**स्रोत: अंतर्राष्ट्रीय बाल श्रम उन्मूलन वर्ष (endchildlabour2021.org)*

मानव तस्करी क्या है?

ज़ोर-जबरदस्ती से या छलपूर्वक किसी को कहीं ले जाने की प्रक्रिया, मानव तस्करी कहलाती है। उनका शोषण करना प्रायः इसका उद्देश्य होता है। यह सीमाओं के पार होना ज़रूरी नहीं है, और यह प्रायः पूरी तरह से देश की सीमाओं के अंदर ही होती है। ऐसा केवल प्रवासियों के साथ ही नहीं होता; न्यूज़ीलैंड के नागरिक और निवासी भी इसके पीड़ित हो सकते हैं।

कोई अपनी तस्करी किया जाना नहीं चाहता। कभी-कभी लोग कुछ मात्रा में अपने शोषण के लिए सहमत हो सकते हैं, लेकिन जब उनको पता चलता है कि वे इससे छुटकारा नहीं पा सकते या विरोध नहीं कर सकते, तो वास्तविक स्थिति काफी गंभीर हो जाती है।

जब कोई व्यक्ति, शोषण वाली स्थितियों से छुटकारा पाने में असमर्थ हो जाता है, तो उसकी तस्करी की संभावना बन जाती है।

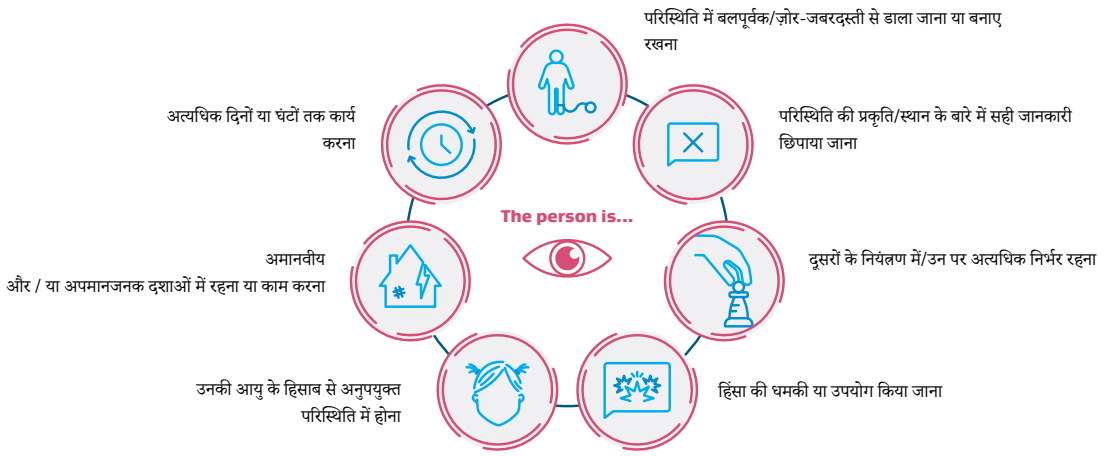

तस्करी के पीड़ित प्रायः घोर मानसिक और शारीरिक कष्ट उठाते हैं। किसी व्यक्ति का व्यवहार और शारीरिक दशा यह संकेत दे सकती है कि वह तस्करी का शिकार है।

मानसिक स्थिति और व्यवहार के लक्षण:

- नजरें चुराना;
- चिंतित, अवसादग्रस्त, दब्बू, भयभीत, तनावग्रस्त, घबराया हुआ दिखना
- बात करने या चोटों पर चर्चा करने से बचना

अनुचित व्यवहार और/या उपेक्षा के शारीरिक संकेत

- शारीरिक दुर्व्यवहार के संकेत;
- भोजन, पानी, नींद, चिकित्सा देखभाल, या जीवन की अन्य अनिवार्य चीज़ों से वंचित होना
- धुलाई और/या स्वच्छता सुविधाओं तक पहुँच न होने के कारण साफ-सफाई की खराब स्थिति
- नशीली दवाओं या शराब पर निर्भरता

मैं किससे संपर्क कर सकता/ सकती हूं?

यदि आपको संदेह है कि कोई व्यक्ति मानव तस्करी का शिकार है, तो आप न्यूज़ीलैंड पुलिस से संपर्क करें:

- **105 या 111 पर (आपातस्थिति में) कॉल करें।**
- **105.police.govt.nz पर ऑनलाइन संपर्क करें।**

यदि आपको संदेह है कि किसी व्यक्ति का कार्य के दौरान शोषण किया जा रहा है तो MBIE से संपर्क करें:

- **0800 20 00 88 पर कॉल करें या www.employment.govt.nz/migrantexploitation पर एक फार्म भरें।**

यदि आप गुमनाम रहना चाहते हैं, और संदेह है कि किसी व्यक्ति की तस्करी की गई है या शोषण किया गया है:

- **क्राइमस्टॉपर्स को 0800 555 111 पर कॉल करें।**
- **www.crimestoppers-nz.org पर ऑनलाइन संपर्क करें।**